समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 09 September 2026

नीतीश कुमार के कार्यक्रम मे 'निशांत कुमार जिंदाबाद' के नारे, बिहार की सियासत मे बंढ़ी हलचल

Sanket Morankar Published on 06 Apr 2026

बिहार की राजधानी पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक कार्यक्रम के दौरान अचानक 'निशांत कुमार जिंदाबाद' के नारे लगने से सियासी हलचल तेज हो गई है। इस घटना ने राज्य की राजनीति में नए समीकरणों और संभावित बदलावों को लेकर चर्चाओं को हवा दे दी है।

जानकारी के मुताबिक, यह घटना उस समय हुई जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। कार्यक्रम के दौरान मौजूद कुछ लोगों ने अचानक उनके बेटे निशांत कुमार के समर्थन में नारेबाजी शुरू कर दी। 'निशांत कुमार जिंदाबाद' के नारे सुनते ही वहां मौजूद लोग भी हैरान रह गए और माहौल कुछ समय के लिए अलग ही दिशा में मुड़ गया।

निशांत कुमार अब तक राजनीति से दूर रहे हैं और उन्होंने कभी सक्रिय रूप से किसी राजनीतिक गतिविधि में भाग नहीं लिया है। ऐसे में उनके नाम के नारे लगना राजनीतिक दृष्टिकोण से काफी अहम माना जा रहा है। यह पहली बार नहीं है जब निशांत कुमार का नाम इस तरह सार्वजनिक रूप से चर्चा में आया हो, लेकिन इस बार यह मामला ज्यादा गंभीर माना जा रहा है क्योंकि यह सीधे तौर पर एक राजनीतिक मंच से जुड़ा हुआ है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह की नारेबाजी को सिर्फ एक संयोग मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसके पीछे कोई रणनीति या संदेश छिपा हो सकता है। कुछ विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि यह जदयू के भीतर या समर्थकों के बीच भविष्य के नेतृत्व को लेकर चल रही चर्चाओं का संकेत हो सकता है।

हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम पर अभी तक न तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और न ही उनके बेटे निशांत कुमार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आई है। जदयू के नेताओं ने भी इस मामले पर ज्यादा कुछ कहने से परहेज किया है और इसे सामान्य घटना बताकर टालने की कोशिश की है।

वहीं विपक्षी दलों ने इस मुद्दे को लेकर तंज कसना शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि जदयू अब परिवारवाद की राह पर चल रही है और इस तरह के नारे उसी दिशा में इशारा करते हैं। विपक्ष ने सवाल उठाया है कि क्या अब नीतीश कुमार अपने बेटे को राजनीति में उतारने की तैयारी कर रहे हैं।

बिहार की राजनीति में यह मुद्दा इसलिए भी अहम हो जाता है क्योंकि राज्य में अगले कुछ समय में चुनावी गतिविधियां तेज होने वाली हैं। ऐसे में किसी भी नए चेहरे या संभावित नेतृत्व को लेकर चर्चा स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है।

कुल मिलाकर, पटना में हुए इस घटनाक्रम ने बिहार की सियासत में नई बहस छेड़ दी है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले दिनों में निशांत कुमार की भूमिका को लेकर कोई स्पष्ट संकेत मिलता है या यह मामला सिर्फ एक नारेबाजी तक ही सीमित रह जाता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.